शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 07-10-2020, वर्ग - BA-III

प्रश्न - संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि क्रांति के पीछे का क्या कारक हैं? अर्थव्यवस्था पर इसके क्या प्रभाव पड़े?

उत्तर :- 1860 और 1910 के बीच का समय 'अमेरिकी कृषि का क्रांति काल' कहा जाता है। इस अवधि में अमेरिकी कृषि के अन्तर्गत कई क्रांतिकारी परिवर्तन हुए, जैसे कृषि यंत्रो का प्रयोग, कृषि क्षेत्र का विस्तार, फसलो का विशिष्टीकरण, कृषि जोतो का आकार में परिवर्तन, कृषि उत्पादो और निर्यात में वृद्धि आदि। 1850 में अमेरिका का कृषि क्षेत्र 30.5 करोड़ एकड़ था, जो 1910 तक बढ़कर 87.8 करोड़ एकड़ हो गया। इस बीच कृषि कार्यो में संलग्न श्रमिको की संख्या 126 लाख की वृद्धि होगी। फार्म सम्पति का मूल्य 1860 में 793 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1910 में 7800 करोड़ डॉलर हो गया। कृषि पदार्थो का निर्यात मूल्य 1870 में 36.10 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1900 में 83.6 करोड़ डॉलर हो गया। जो अमेरिका के कुल निर्यात मूल्य का 62% था। भूमि की

अत्यधिक मात्रा में उपलब्धि ने फसलो के विशिष्टीकरण को प्रोत्साहित किया। मिनेसोटा और डेकोटा ने गेहूँ की खेती में, कैलफोर्निया, और फ्लोरिडा ने फलोत्पादन में तथा दक्षिणी राज्यों ने कपास की खेती में विशेषता प्राप्त कर ली। 1860 और 1910 के बीच समग्र रूप से कृषि उत्पादन में सात गुनी वृद्धि हुई तथा जई के उत्पादन में चार गुनी वृद्धि हुई।

कृषि क्रांति के कारण

1860 के बाद अमेरिका में उपस्थित कृषि क्रांति (या अमेरिकी कृषि के द्रुत विकास) के प्रमुख कारण निम्न प्रकार थे —

(1) भूमि के प्रचुरता एवं अनुकूल जलवायु — अमेरिका में जनसंख्या की अपेक्षा भूमि की उपलब्धता इतना अधिक थी की कृषि जीवन यापन के साधन के बजाय लाभप्रद व्यवसाय बन गयी। जनसंख्या में वृद्धि

का भी भूमि की प्रयुक्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसके अतिरिक्त अमेरिका के समशीतोष्ण जलवायु भी कृषि विकास में सहायक सिद्ध हुई।

(2) सरकार की उदार भूमि नीति ⇒

पश्चिमोन्मुख विस्तार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अमेरिकी सरकार ने उदार भूमि नीति का अनुसरण किया। अमेरिका के पश्चिमी भाग में जाकर बसने और खेती करने वालों को सरकार ने बहुत ही कम मूल्य पर और आसान शर्तों पर भूमि प्रदान की। प्रारंभ में भूमि विक्रय की मात्रा 640 एकड़ निर्धारित थी जो सन 1800 में घटाकर 160 एकड़ तथा 1920 में 80 एकड़ कर दी गयी। परिणामतः अमेरिका में कृषि जोतों की संख्या 1860 में 20 लाख से बढ़कर 1910 में 60 लाख हो गई। इस बीच कृषित क्षेत्र 30.5 करोड़ एकड़ बढ़कर 87.8 करोड़ एकड़ हो गया।

(3) कृषि का यांत्रिकरण ⇒ भूमि की प्रचुरता और श्रम की न्यूनता ने कृषि कार्यों में बड़े पैमाने पर यंत्र का प्रयोग प्रोत्साहित किया। इससे कृषि क्षेत्र

में श्रम विभाजन की शुरुआत पूँजी की बचत और उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि संभव हुई। बोगार्ट के अनुसार ⇒ अमेरिकी कृषि में प्रयुक्त औजारों और मशीनों की कीमत 1860 में 24.6 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1880 में 40.6 करोड़ डॉलर तथा 1910 में 126.5 करोड़ डॉलर हो गई। ~~तथा~~ अग्नि-चालित कृषि-यंत्रों का प्रयोग 1905 में प्रारंभ हुआ। इससे पूर्व अश्व-चालित यंत्रों का प्रयोग होता है।

(५) साख की उपलब्धि ⇒ कृषि विकास का प्रारंभिक अवस्था में अमेरिकी किसानों का साहूकारों से ऊँची ब्याज पर ऋण लेना पड़ता था। यद्यपि कुछ राज्यों ने किसानों की सहायतार्थ 'ग्रामीण साख बैंक' स्थापित किए थे। 1916 में संघ सरकार ने 'संघीय प्रक्षेत्र ऋण बैंक' योजना आरम्भ की। इसके प्रशासन का भार 'संघीय प्रक्षेत्र सेल' को सौंपा गया। योजना के क्रियान्वयन के लिए सम्पूर्ण देश को 12 क्षेत्रों में बाँटा गया तथा प्रत्येक क्षेत्र में एक 'संघीय प्रक्षेत्र ऋण बैंक' स्थापित किया गया। बैंक अपनी पूँजी - 'प्रक्षेत्र बंधक बॉण्ड' बेचकर जुटाते और किसानों को दीर्घकालीन वित्त प्रदान करते थे।